आईआईटी में कई छात्रवृत्तियां संचालित कर रखी हैं पूर्व छात्रों ने

इंडिया कॉलिंग

अगर बॉलीवुड असल जिंदगी में भी हॉलीवुड से प्रेरणा लेता हो तो निर्देशक आशुतोष गोवित्रिकर की फिल्म *स्वदेश* के चरित्र 'मोहन भागवत' को पं. दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म इंटर कालेज के पूर्व छात्र **विवेक भागवत** के प्रतिबिम्ब रूप में देखा जा सकता है। इस विद्यालय से अध्ययन के बाद अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कॅरियर बनाने वाले विवेक डॉलर तो बहुत कमा रहे थे परंतु मातृभूमि उन्हें लगातार बुला रही थी। मातृभूमि की इसी आवाज पर विवेक वापस कानपुर लौटे और अपने विद्यालय को नि:स्वार्थ भाव से सूचना तकनीक से संवार लौट गए।

मातृभूमि का कर्ज अनूठे तरीके से अदा कर रहे हैं विदेश में बसे कानपुराइट्स

भविष्य के समर्थ भारत; बेहतर शहर, उन्नत संस्थान की अवधारणा को सच करने निकले इन कानपुराइट्स ने आज कई आंखों के सपनों को साकार कर दिया है। इन्होंने शहर की मेधावी प्रतिभाओं से उनके सपनों को सच करने का वादा भी किया है। आज आईआईटी में **मनी गुप्ता, जयदेव मिश्रा, उमेश गुप्ता, अनिल भंडारी** (यह सूची काफी लंबी है), जैसे पूर्व छात्रों ने संस्थान में कई छात्रवृत्तियां संचालित कर रखी हैं। इसके अलावा 69 बैच के स्टूडेंट अजीत गिल ने आईआईटी के बायो इंजीनियरिंग विभाग के विकास के लिए लगभग 38 लाख रुपए, 71 बैच के **ललित मोहन कपूर** व 75 बैच के **राज सिंह** ने संस्थान में शोध प्रक्रिया को तेज करने के लिए 40 लाख रुपए प्रदान किए हैं।

आईआईटी के असिस्टेंट रजिस्ट्रार **मुहम्मद शकील** कहते हैं, "कई बार स्टूडेंट्स को अहसास होता है कि इस संस्थान की बदौलत ही हम यहां तक पहुंचे हैं तो क्यों न इसके लिए कुछ किया जाए?" आईआईटी स्टूडेंट्स के अनूठे प्रयासों के बाद गणेश शंकर विद्यार्थी चिकित्सा महाविद्यालय के सक्षम विद्यार्थियों ने भी अपने पूर्वसंस्थान को संवारने का वादा किया है।

आदर्श त्रिपाठी

City Jagran